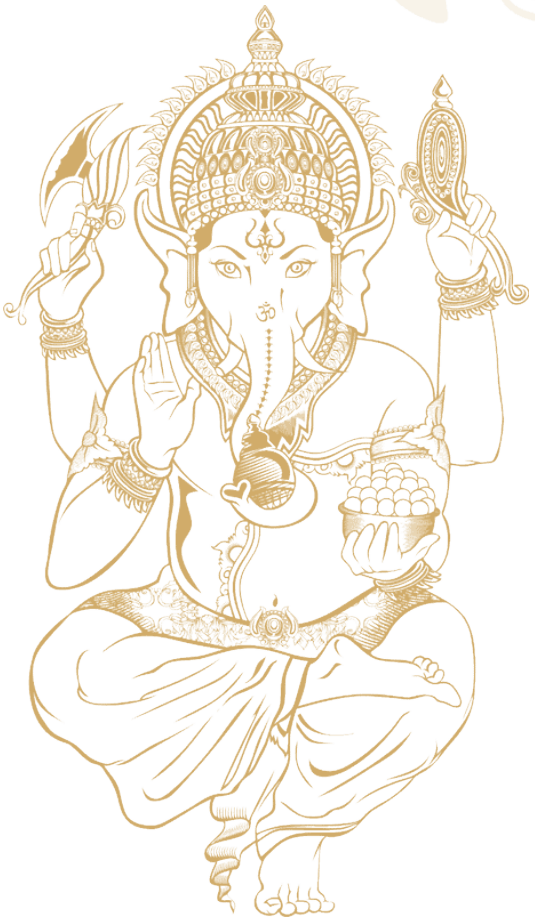

?????

22 Feb 2026

11:57 AM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121597710

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/02/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**11:57:00 घंटे**
इष्ट	12:39:48 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:36:12 घंटे
वेलान्तर	-00:13:30 घंटे
साम्पातिक काल	21:44:55 घंटे
सूर्योदय	06:53:04 घंटे
सूर्यास्त	18:15:55 घंटे
दिनमान	11:22:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	09:24:48 कुम्भ
लग्न के अंश	16:14:35 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुक्ल
करण	कौलव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोलुक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	16:14:35	369:47:10	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	---
सूर्य			कुंभ	09:24:48	01:00:26	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	09:50:18	14:03:57	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	मक	29:12:58	00:47:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	27:01:50	00:38:35	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:19:37	00:03:17	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	20:35:23	01:14:58	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	06:42:32	00:06:56	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:44:55	00:00:36	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:44:55	00:00:36	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:22:53	00:00:58	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:34:56	00:02:04	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:07:17	00:01:43	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मक	29:41:30	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

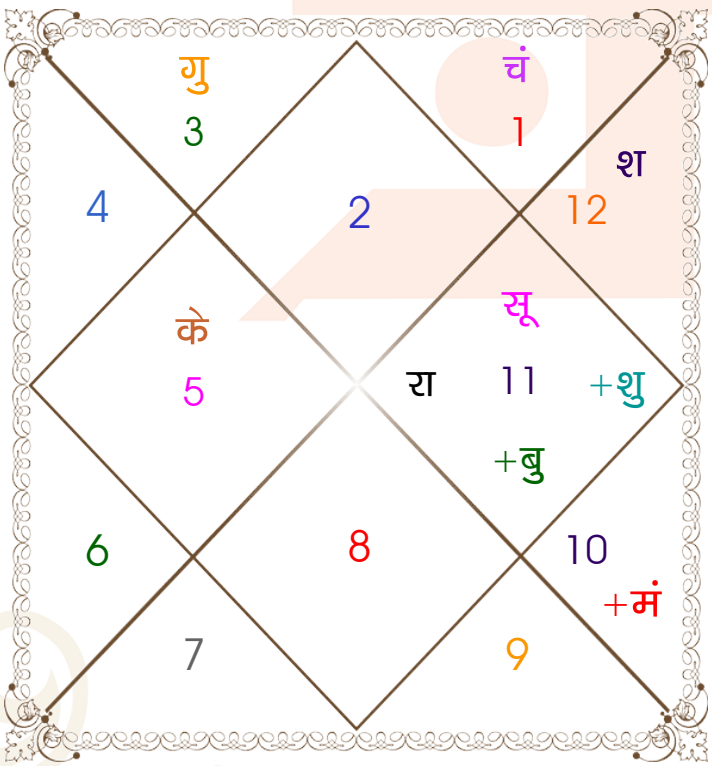

चन्द्र कुंडली

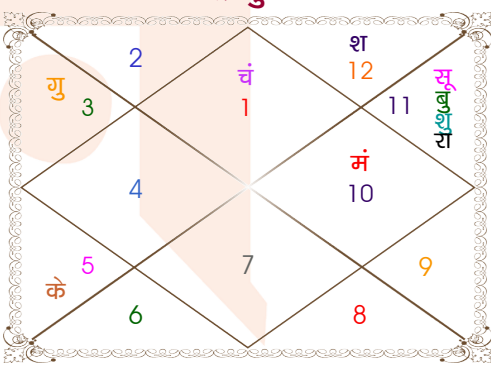

नवमांश कुंडली

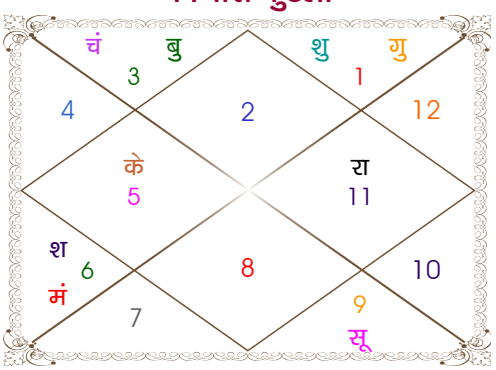

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 10 मास 0 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/02/2026		24/12/2027		24/12/2047		24/12/2053		24/12/2063	
24/12/2027		24/12/2047		24/12/2053		24/12/2063		24/12/2070	
	00/00/0000	शुक्र	25/04/2031	सूर्य	12/04/2048	चंद्र	24/10/2054	मंगल	21/05/2064
	00/00/0000	सूर्य	24/04/2032	चंद्र	11/10/2048	मंगल	25/05/2055	राहु	09/06/2065
	00/00/0000	चंद्र	24/12/2033	मंगल	16/02/2049	राहु	23/11/2056	गुरु	16/05/2066
	00/00/0000	मंगल	23/02/2035	राहु	11/01/2050	गुरु	25/03/2058	शनि	25/06/2067
	00/00/0000	राहु	23/02/2038	गुरु	30/10/2050	शनि	24/10/2059	बुध	21/06/2068
	00/00/0000	गुरु	24/10/2040	शनि	12/10/2051	बुध	25/03/2061	केतु	17/11/2068
	22/02/2026	शनि	24/12/2043	बुध	18/08/2052	केतु	24/10/2061	शुक्र	17/01/2070
शनि	27/12/2026	बुध	24/10/2046	केतु	23/12/2052	शुक्र	25/06/2063	सूर्य	25/05/2070
बुध	24/12/2027	केतु	24/12/2047	शुक्र	24/12/2053	सूर्य	24/12/2063	चंद्र	24/12/2070

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/12/2070		23/12/2088		24/12/2104		25/12/2123		24/12/2140	
23/12/2088		24/12/2104		25/12/2123		24/12/2140		00/00/0000	
राहु	05/09/2073	गुरु	11/02/2091	शनि	28/12/2107	बुध	23/05/2126	केतु	23/05/2141
गुरु	30/01/2076	शनि	24/08/2093	बुध	06/09/2110	केतु	20/05/2127	शुक्र	23/07/2142
शनि	06/12/2078	बुध	30/11/2095	केतु	16/10/2111	शुक्र	20/03/2130	सूर्य	28/11/2142
बुध	24/06/2081	केतु	05/11/2096	शुक्र	16/12/2114	सूर्य	24/01/2131	चंद्र	29/06/2143
केतु	13/07/2082	शुक्र	07/07/2099	सूर्य	28/11/2115	चंद्र	25/06/2132	मंगल	25/11/2143
शुक्र	12/07/2085	सूर्य	25/04/2100	चंद्र	28/06/2117	मंगल	22/06/2133	राहु	12/12/2144
सूर्य	06/06/2086	चंद्र	25/08/2101	मंगल	07/08/2118	राहु	09/01/2136	गुरु	18/11/2145
चंद्र	06/12/2087	मंगल	01/08/2102	राहु	13/06/2121	गुरु	16/04/2138	शनि	23/02/2146
मंगल	23/12/2088	राहु	24/12/2104	गुरु	25/12/2123	शनि	24/12/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 9 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ठ धघ्नादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगे या जी चुरायेंगे तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ठ धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहते हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नही लेते हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करते हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेते उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखते हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाते हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त लेते हैं।

क्योंकि आप यह जानते हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम करना पड़ता हैं तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाते हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना के व्यक्ति नही हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहते हैं।

स्वभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाले प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाले तथा पीछे मुडकर नहीं देखते हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नही चाहते यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरूचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझते हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय के प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्त्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नही लगती है। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों के सहायक होंगे।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकते हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगे। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगे। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहते हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं। अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।